

2026

HINDI — MDC

Paper : CC-5

[Hindi Sahitya Ka Itihas (Adikal Se Ritikal Tak)]

Full Marks : 75

*The figures in the margin indicate full marks.**Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.*

[हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक)]

1. किन्हीं तीन आलोचनात्मक प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 12×3
 - (क) हिन्दी साहित्य के कालविभाजन और नामकरण पर विचार कीजिए।
 - (ख) आदिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियों पर सोदाहरण प्रकाश डालिए।
 - (ग) कृष्णभक्ति शाखा की सामान्य प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए।
 - (घ) रीतिकाल के नामकरण पर चर्चा करते हुए इसकी प्रमुख विशेषताओं की विवेचना कीजिए।
 - (ङ) सगुण काव्यधारा और निर्गुण काव्यधारा के अंतर को सोदाहरण प्रस्तुत कीजिए।
2. निम्नलिखित में से किन्हीं चार पर टिप्पणी लिखिए : 7½×4
 - (क) सिद्ध साहित्य
 - (ख) तुलसीदास
 - (ग) कबीरदास
 - (घ) घनानंद
 - (ङ) रीतिसिद्ध काव्यधारा
 - (च) जायसी।
3. निम्नलिखित वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 1×9
 - (क) गोरखनाथ का संबंध किस सम्प्रदाय से है?
 - (ख) कबीरदास की किसी एक रचना का नाम लिखिए।

Please Turn Over

(7044)

- (ग) 'सूरसागर' के रचनाकार कौन हैं?
- (घ) 'छत्रसाल दशक' किसकी रचना है?
- (ङ) मीराबाई के आराध्य कौन थे?
- (च) विद्यापति की किसी एक प्रसिद्ध रचना का नाम बताइए।
- (छ) रीतिकाल का 'शृंगारकाल' नामकरण किसने किया?
- (ज) 'प्रेम के पीर के कवि' किसे कहा जाता है?
- (झ) 'रामचरितमानस' किस भाषा में विरचित है?